पर्यवेक्षण आख्या जनपद–बागपत

पत्र संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0 एण्ड ई0 /2017–18 /18 / 686–2, दिनांक 28.04.2017 को मिशन निदेशक द्वारा दिये गये आदेश के क्रम में अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के अर्न्तगत क्षेत्रीय र्पयवेक्षण हेतु टीम द्वारा दिनांक 22–25 मई 2017 तक जनपद– बागपत में भ्रमण किया गया एवं राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के एम0 एण्ड ई0 अनुभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये फॉरमेट पर्यवेक्षण भ्रमण के दौरान टीम के सदस्यों द्वारा भरे गये जो इस पर्यवेक्षण आख्या के साथ संलग्न है।

राज्य स्तरीय टीम के सदस्यः–

1. *डा0 पंकज सक्सेना– उपमहाप्रबन्धक, परिवार नियोजन, अनुभाग (टीम लीडर)*
2. *मनीष कुमार सोनी, सलाहकार, परिवार नियोजन, अनुभाग*
3. *जमाल अहमद– कार्यक्रम समनव्यक, प्रशिक्षण/आर0टी0आई0 अनुभाग*

जनपद स्तरीय टीम के सदस्यः–

1. *डा0 प्रमोद कुमार, चिकित्सा अधीक्षक, सी.एच.सी. बागपत*
2. *श्री मंजीत कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक*

जिला संयुक्त चिकित्सालय, बागपत

भ्रमण दिनांक– 23.05.2017

दिनांक 23.03.2017 को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अधिकारियों से औपचारिक भेंट के उपरान्त टीम द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। चिकित्सालय के विभिन्न अनुभागों के पर्यवेक्षण के उपरान्त निम्नवत आख्या से अवगत होना चाहें–

बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0)–

- चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर या प्रांगण में Citizen Charter प्रदर्शित नही किया गया था।
- बाह्य रोगी विभाग (ओ0पी0डी0) भवन की स्थिति उत्तम थी एवं प्रांगण की सफाई व्यवस्था ठीक थी। अस्पताल की सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक थी। प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया कि हास्पिटल वेस्ट मैनेजमेन्ट प्रदाता के माध्यम से किया जा रहा है, परन्तु सम्बन्धित दस्तावेज अवलोकनार्थ प्रस्तुत नहीं किये गये ।
- चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित महिला रोगियों की संख्या अधिक थी वो सब डाक्टर से उपचार कराने के लिये अपनी बारी आने के इन्तेजार में लाईन में खड़ी थीं। उनके बैठने हेतु ओ0पी0डी0 प्रांगण में उचित व्यवस्था की गई थी।
- ओ0पी0डी0 प्रांगण एवं महिला वार्ड में स्वास्थ्य सम्बन्धित प्रचार प्रसार सामग्री भलीभांति प्रदर्शित नही की गई थी। महिला वार्ड में जननी सुरक्षा योजना व जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम हेतु दीवार लेखन नही कराया गया है ।
- प्रसव कक्ष एवं ऑप्रेशन कक्ष एक ही प्रांगण में संचालित है। प्रसव कक्ष के पास ही वार्ड स्थित है जिसमें गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के रुकने की व्यवस्था है। पीने के पानी का भी उचित व्यवस्था की गयी है। ओ.टी. में हब कटर मौजूद था एवं काम कर रहा था। Partograph Maintain नहीं किया जा रहा था। Partograph Maintain हेतु सुझाव दिया गया। वहां की Staff Nurse द्वारा सभी

नवजात शिशुओं को प्रसव कक्ष में Vit KI दिया जा रहा था । चिकित्सालय में एक मात्र तैनात महिला चिकित्सक डा0 अंजूबाला द्वारा सिजेरियन आपॅरेशन से प्रसव कराये जा रहे हैं। ऑपरेशन कक्ष में ऑटोक्लेव रजिस्टर उपलब्ध था परन्तु मानक अनुसार अद्यतन नही था।

- परिवार कल्याण कार्यक्रम में नसबन्दी सम्बंधित पुराने फॉर्म प्रयोग किए जा रहे थे तथा सम्बन्धित रिकार्ड भी व्यवस्थित नहीं था। परिवार कल्याण सम्बंधित लॉजिस्टिक की उपलब्धता नही थी जबकि जनपद भण्डार गृह में लॉजिस्टिक उपलब्ध है। पी.पी.आई.यू.सी.डी. में प्रशिक्षित सेवा प्रदाता स्टाफ नर्स सुश्री मंजू अग्रवाल का प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्य चिकित्साधिकारी एवं चिकित्सा अधीक्षक तथा सम्बन्धित विभागाध्यक्ष के अधीनस्थों के मध्य परस्पर समन्वय नही है, जबकि दोनों के कार्यालय एक ही परिसर में है।
- एन0आर0सी0 वार्ड में 8 बच्चे भर्ती थे। कक्ष की स्थिति अच्छी थी। सम्बन्धित रिकार्ड व्यवस्थित नहीं था। एंटीबायोटिक प्रयोग हेतु प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जा रहा है। एन.आई.सी.यू. में क्लीन एवं सेप्टिक यूनिट पृथक से क्रियाशील है सेप्टिक यूनिट में चार नवजात शिशुओं का इलाज किया जा रहा था। सम्बन्धित रिकार्ड व्यवस्थित है।

- वित्तीय वर्ष 2016–17 में जे0एस0 वाई में कुल 64 एवं महिला नसबंदी के कुल 31 लाभार्थियों का भुगतान लम्बित है। अस्पताल प्रशासन द्वारा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित सम्पूर्ण लेखा–जोखा अवलोकनार्थ प्रस्तुत नहीं किये गये । प्रस्तुत दस्तावेजों का रख–रखाव समुचित प्रकार से नही किया गया है। JSY लाभार्थी को भुगतान PFMS के माध्यम से उनके खाते में किया जा रहा था।

- Pathology Lab में Universal precaution सम्बंधित प्रोटोकाल का प्रयोग नही किया जा रहा है।
- औषधि स्टोर में औषधि का भण्डारण व्यवस्थित प्रकार से किया जा रहा था

भ्रमण दल द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अपने आब्ज़र्वेशन से अवगत कराया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिनौली

24x7(FRU)

भ्रमण दिनांक–23.05.2017

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिनौली जनपद मुख्यालय से लगभग 35 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। जो लगभग 2 लाख की आबादी को कवर कर रहा है। दिनांक 23.05.2017 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिनौली का भ्रमण किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिनौली, सरकारी भवन में क्रियाशील है। स्टाफ पर्याप्त संख्या में कार्यरत एवं उपलब्ध थे। चिकित्सालय परिसर से लगे अधिकरियों/कर्मियों हेतु रहने योग्य आवास उपलब्ध हैं।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई।
- 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी, चिकित्सालय परिसर में मरीजों तथा अस्पताल कर्मियों के लिय स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/आर0ओ0/वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है।
- चिकित्सालय परिसर में ई०डी०एल०लिस्ट (Essential Drug List) लगी हुयी थी ।
- इमरजेंसी ड्यूटी रोस्टर उपलब्ध नहीं थे
- बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर इन्वर्टर की सुविधा उपलब्ध है।
- वेटिंग एरिया में प्रचार–प्रसार सामग्री का अभाव था, जिसे प्रदर्शित करने के लिये कहा गया।

- लेबर रूम में "न्यू बोर्न केयर कार्नर" में रेडियंट वार्मर क्रियाशील था। लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर पदर्शित नही थे। लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) कार्य कर रहा था । स्टेरलाईजड़ डिलीवरी सेट उपलब्ध नहीं थे। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।

- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था नही की गई थी टीम द्वारा इसे लगवाने का सुझाव दिया गाया।

- वार्ड में भर्ती प्रसूता को जे०एस०एस०के० के अंतर्गत निशुल्कः भोजन एवं औषधि उपलब्ध करायी जा रही थी, सफाई व्यवस्था संतोषजनक थी। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।

- डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी ।

- आई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दिवार लेखन नहीं कराया गया और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

- चिकित्सालय के किसी भी कक्ष में Colour Coded, Bio Medical Waste bins नही रखा गया था।

- आशा/ए.एन.एम. एच.आर.पी. इन्सेन्टिव का भुगतान अप्रैल 2017 से नहीं किया गया है टीम द्वारा जल्द भुगतान करने का सुझाव दिया गया।

- लेबर रूम/ डाईट/ ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था।

- Bio Medical Waste का सुरक्षित निस्तारण अनुबन्धित ऐजेन्सी द्वारा किया जा रहा है।
- सुझाव/शिकायत पेटिका अस्पताल परिसर में उपलब्ध था।
- कोल्ड चेन कक्ष में प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित थे, परन्तु Deep Freezer में आईस पैक प्रोटोकॉल पोस्टर में प्रदर्शित तरिकों से नहीं लगाये गये थे

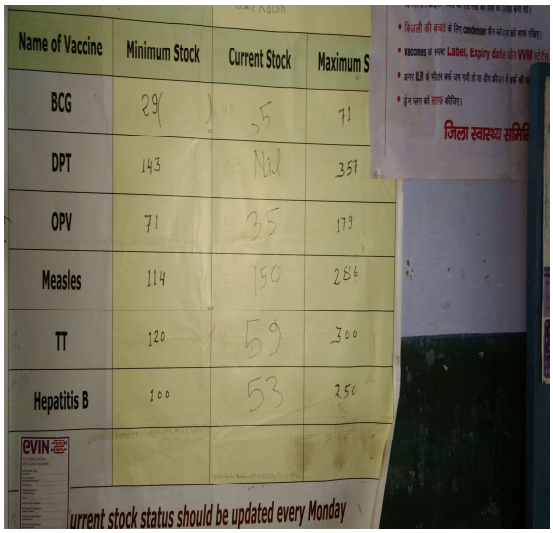

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बागपत
(CHC-FRU)
भ्रमण दिनांक–24.05.2017

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बागपत, जनपद मुख्यालय पर स्थित है। जो लगभग 1.5 लाख की आबादी को सेवा प्रदान कर रहा है। दिनांक 24.05.2017 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बागपत का भ्रमण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बागपत के इंचार्ज डा0 प्रमोद कुमार से औपचारिक विचार विमर्श के उपरान्त चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बागपत, सरकारी भवन में क्रियाशील है। स्टाफ की कमी महसूस की गयी।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई।
- चिकित्सालय के पीछे चिकित्सालय प्रांगण में चिकित्सकीय प्रयोग के उपरान्त नुकीली वस्तु के सुरक्षित निस्तारण हेतु Pit निर्मित थ।
- 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी, परन्तु स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/आर0ओ0/वाटर कूलर की व्यवस्था नहीं की गयी है। इस सम्बन्ध में अस्पताल के इंचार्ज डा0 प्रमोद कुमार को टीम द्वारा चिकित्सालय परिसर में मरीजों तथा अस्पताल कर्मियों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हेतु सुझाव दिया गया। उनके द्वारा टीम को आश्वस्त किया गया कि जल्द ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कर दी जायेगी।

- चिकित्सालय परिसर में ई०डी०एल०लिस्ट (Essential Drug List) लगी हुयी थी परन्तु दवाईयों की उपलब्धता नहीं दर्शाई गयी थी, टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि इसे दिनांक वार प्रदर्शित की जाये। साथ ही Citizen Charter को Maintain करने का सुझाव दी गई।
- बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर जनरेटर की सुविधा उपलब्ध है।
- New Born Baby Corner पर Radiant Warmer बिजली के तार कट जाने के कारण क्रियाशील नहीं था जिसे तत्काल ठीक कराने का सुझाव दिया गया ।
- लेबर रूम में Colour Coded Bins उपलब्ध थे पर वहां मौजूद Staff Nurse को इस बात की जानकारी नहीं थी के किस Bin में किस तरह का Bio- Waste डालना है। भ्रमण टीम के टीम लीडर डा0 पंकज सक्सेना द्वारा इसकी विस्तार से जानकारी वहां के साभी Staff को दी गयी।

- लाभार्थी के भोजन हेतु उचित व्यवस्था नहीं थी, टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि लाभार्थी को मानकानुसार भोजन उपलब्ध कराने हेतु टेण्डर प्रक्रिया अपना कर जल्द ही किसी फर्म से अनुबन्धन कर लिया जाय। दो प्रसव मेज़ के बीच पर्दे से Partition की व्यवस्था नहीं थी, जिसकी व्यवस्था हेतु सुझाव दिया गया।

- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था नही की गई थी टीम द्वारा इसे लगवाने का सुझाव दिया गाया।

- प्रसव कक्ष से Attached Toilet की सफाई संताषजनक थी परन्तु वाशबेशिन पर लगा नलका एलबो टाईप नहीं था जिसे लगवाने का सुझाव दिया गया।

- प्रसव कक्ष में रखी दवाईयों को Labelled कर व्यवस्थित करने का सुझाव दिया गया।

- ANC Register, maintain किया जा रहा है परन्तु Case Sheet मानकानुसार Maintain नहीं किया जा रहा था, जिसे Maintain करने का सुझाव दिया गया।

- चिकित्सालय के किसी भी कक्ष में Colour Coded, Bio Medical Waste bins नही रखा गया था।

- जे0एस0 वाई में कुल 23 एवं महिला नसबंदी के कुल 22 लाभार्थियों का भुगतान लम्बित है।

- लेबर रूम/ डाईट/ ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था। परन्तु प्रोटोकाल पोस्टर का प्रदर्शन नही था। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही हो रहा था। प्रसव कक्ष में डिजीटल घड़ी उपलब्ध नही थी।

- स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में ही स्थापित उपकेन्द्र से परिवार कल्याण सेवाऐं दी जा रही है। परिवार कल्याण कार्यक्रम से सम्बंधित रिकार्ड उपलब्ध हैं परन्तु सही प्रकार से व्यवस्थित नहीं हैं। मानक रजिस्टर भी प्रारूपानुसार उपलब्ध नही हैं। सम्बन्धित लॉजिस्टिक उपलब्ध है। ओ0टी0 रजिस्टर एवं ऑटोक्लेव रजिस्टर उपलब्ध है परन्तु प्रारूपानुसार मेन्टेन नहीं किये गये हैं।

- Lab Technician के पास सुरक्षा हेतु PPE (Personel Protection Equipment) नहीं थ। Lab Technician एवं प्रसव कक्ष के कर्मियों को PPE (Personel Protection Equipment) उपलब्ध कराने हेतु चिकित्सालय प्रशासन को सुझाव दिया गया।

- I.O को ठीक से ज्ञात नहीं था कि Measles एवं BCG का Diluent कौन सा है, जिसे डब्बों पर बड़े अक्षरों में लिखने का सुझाव दिया गया।

- Foetoscope एवं Foetal Doppler उपलब्ध था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ौत

24x7(FRU)

भ्रमण दिनांक–25.05.2017

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिनौली जनपद मुख्यालय से लगभग 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। दिनांक 25.05.2017 को टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ौत का भ्रमण किया गया।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ौत सरकारी भवन में क्रियाशील है। स्टाफ पर्याप्त संख्या में कार्यरत एवं उपलब्ध थे। चिकित्सालय परिसर से लगे अधिकरियों/कर्मियों हेतु रहने योग्य आवास उपलब्ध हैं।
- परिसर में सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गई। परन्तु वाशबेसिन में गन्दगी थी जिसे साफ करा दिया गया।
- 24X7 पानी की व्यवस्था उपलब्ध थी, चिकित्सालय परिसर में मरीजों तथा अस्पताल कर्मियों के लिय स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/आर0ओ0/वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है।
- चिकित्सालय परिसर में ई०डी०एल०लिस्ट (Essential Drug List) लगी हुयी थी ।
- इमरजेंसी ड्यूटी रोस्टर उपलब्ध नहीं थे
- बिजली की उचित व्यवस्था थी एवं बिजली के ना रहने पर इर्न्वटर की सुविधा उपलब्ध है।
- वेटिंग एरिया में प्रचार–प्रसार सामग्री का अभाव था, जिसे प्रदर्शित करने के लिये कहा गया।
- लेबर रूम में "न्यू बोर्न केयर कार्नर" में रेडियंट वार्मर क्रियाशील था। लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर पदर्शित नही थे। लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) कार्य कर रहा था । स्टेरलाईजड़ डिलीवरी सेट उपलब्ध नहीं थे। पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।

- चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था नही की गई थी टीम द्वारा इसे लगवाने का सुझाव दिया गाया।

- डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को बी०सी०जी०, ओ0पी0वी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही थी ।

- आई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दिवार लेखन नहीं कराया गया और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

- चिकित्सालय के किसी भी कक्ष में Colour Coded, Bio Medical Waste bins नही रखा गया था।

- लेबर रूम/ डाईट/ ए0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध थे एवं उनमें अंकन कार्य किया जा रहा था।

- Bio Medical Waste का सुरक्षित निस्तारण अनुबन्धित ऐजेन्सी द्वारा किया जा रहा है।
- सुझाव/शिकायत पेटिका अस्पताल परिसर में उपलब्ध था।

- RMNCH+A कौंसलर ममता देवी उपस्थित थी एवं उनके द्वारा परामर्श दिये जाने का कार्य किया जा रहा है।
- सी0एच0सी0 पर वर्ष 2016–17 में कुल 3540 प्रसव हुए थे जिसमे कुल 1211 पी0पी. आई0यू0सी0डी0 लगाया गया था।
- पी0पी.आई0यू0सी0डी0 के अन्तर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा रहा है।
- आई0यू0सी0डी0 कियॉस्क एवं आई0यू0सी0डी0 कॉर्नर की स्थापना की गई थी।

राज्य स्तरीय टीम व चिकित्सालय के भ्रमण दल के साथ सी0एम0एस0 डा0 डी0वी0प्रसाद से विस्तृत वार्ता हुई एवं पाई गयी कमियों को दूर करने हेतु सुझाव दिये गये। सी0एम0एस0 द्वारा निदान हेतु आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां)
भ्रमण क्षेत्रः– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ौत (24.05.2017)

वी0एच0एन0डी0 ग्राम लोहारी, बड़ौत, प्राइमरी पाठशाला द्वितीय :–

दिनांक 22.03.2017 को वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के पर्यावेक्षण हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कसेर कलां के मेडिकल ऑफिसर से प्लान प्राप्त कर गांव–बेलौन का दल द्वारा भ्रमण किया गया। ज्ञात हुआ कि उस क्षेत्र में 6000 की आबादी को कवर करने हेतु केवल एक आशा ही नियुक्त है। दो आशा काम छोड़ चुकी है। जिस कारण उस क्षेत्र में प्रथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ रहा है।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- कार्यक्रम स्थल पर ए0एन0एम0 अंजू देवी, आशा सुनीता देवी, सहायिका बीना देवी तथा आशा संगिनी बबिता पुनिया उपस्थित थी।
- कार्यक्रम स्थल पर टीकाकरण से सम्बन्धित कोई बैनर नही था, बैनर लगााने के निर्देश दिये गये।

- किशोरी गीता उम्र 14 वर्ष से उनके घर पर सम्पर्क किया गया, उनको सभी जानकारी आशा द्वारा दी जा रही थी।
- सुदेश देवी के घर पर भ्रमण दल ने सम्पर्क किया उनके 19 दिन पहले बच्चे का घर पर जन्म हुआ था। आशा द्वारा घरेलु प्रसव सम्बंधी सभी जानकारी दी गई थी।

RBSK TEAM लोहारी, बड़ौत –

- **दल में डा0 अभिषेक, डा0 विकास तोमर, अशोक कुमार एवं नीलम कुमारी मौजूद थी।**
- आर0बी0एस0के0 वाहनों हेतु बैनर नहीं था।
- दल द्वारा बताया गया कि पूर्व सूचना देने के बावजूद केन्द्र पर बहुत कम लाभार्थी उपलब्ध हुए।

जनपद बागपत में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में अधिकारीयों से की गयी वार्ता एवं दिये गये सुझाव :–

- राज्य स्तर से समय–समय पर दिये गये दिशा–निर्देशो का सभी स्वास्थ्य इकाईयों का स समय उपलब्ध कराया जाय।
- बैठकों में दिशा–निर्देशों एवं अवमुक्त की गयी धनराशी के नियमानुसार व्यय हेतु अवगत कराया जाय।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर गर्भवती महिला एवं बच्चों का पंजीकरण किया जायें जिससे की गर्भवती महिलाओं के एम0सी0टी0एस0 कोड का ससमय प्रयोग कर पी0एफ0एम0एस0 द्वारा जे0एस0वाई0 हेतु भुगतान किया जा सके।
- समस्त इकाईयों पर मानकानुसार प्रचार प्रसार सामग्री तथा प्रसव कक्ष के प्रोटोकॉल पोस्टर सही स्थान पर प्रदर्शित किये जाये।

मुख्य चिकित्साधिकरी कार्यालय बागपत के अधिकारीयों द्वारा उन कमियों को जल्द ही दूर करने का आशवासन टीम को दिया गया।

जमाल अहमद प्रोग्राम कोआर्डीनेटर प्रशिक्षण/आर.टी.आई अनुभाग	मनीष कुमार सोनी सलाहकार परिवार नियोजन अनुभाग	डा0 पंकज सक्सेना उपमहाप्रबन्धक परिवार नियोजन अनुभाग